विद्यार्थी हित में प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित, वर्तमान से अच्छा बनने के लिए लक्ष्य निर्धारण जरुरी : ऋषिकेश पाठक

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

आरा: स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग नेआई.क्यू.ए.सी. महाराजा कॉलेज के तत्वावधान में 18 अगस्त, 2025 को स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर के छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण सह कार्यशाला सत्र का आयोजन किया। आमंत्रित अतिथि एक प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षक और प्रेरक वक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, ऋषिकेश पाठक थे, जिन्होंने दुनिया के 25 देशों में 3.9 मिलियन से अधिक लोगों को प्रशिक्षित और प्रेरित किया है। उन्होंने अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और पूरे भारत में सत्र आयोजित किए हैं।

महाराजा कॉलेज की प्राचार्य प्रो. कनकलता कुमारी ने कहा की ज्ञान अर्जित करने की कोई सीमा नहीं है। विद्वान लोगों की संगति,उनके दिये गये संदेश,उनके उपदेश को आत्मसात कर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। कालेज के विद्यार्थियों को इनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है।

महाराजा कॉलेज के अंग्रेजी

विभाग की संयोजक और सहायक प्रो डॉ. वंदना सिंह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि सफलता शून्य से शुरू नहीं होती; यह शून्य से उत्पन्न एक मजबूत योजना और निरंतर प्रयास का परिणाम है। भय से मुक्त होना, लगातार छोटे-छोटे कदम उठाना, गिरना और फिर उठ खड़ा होना, यही शिखर तक पहुंचने का सही सुलभ और आसान रास्ता है। दूसरों की सफलता से घृणा न करना, बल्कि उनसे प्रेरणा लेना ही सच्चा ज्ञान है। पहले खुद पर विश्वास करो, फिर अपने काम पर, फिर अपने लक्ष्य पर विश्वास करो–यही क्रम है। समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करके, आप कुछ हासिल तो कर सकते हैं, लेकिन आपके जीवन पर इसका कोई असर नहीं होगा। पूरे साल के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के बजाय, बस यह एक बात तय करें: दिन के अंत तक, आप थोड़े ज्यादा खुश, थोड़े ज्यादा उन्नत, थोड़े बेहतर और अपने लक्ष्य पर ज्यादा केंद्रित होने चाहिए। बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाएं।

अपने प्रशिक्षण संवाद के दौरान श्री ऋषिकेश पाठक ने छात्रों को बताया कि कैसे एक साधारण बच्चा, जिसने अभी तक सपने देखना शुरू नहीं किया है, शून्य से शिखर तक पहुंच सकता है। उन्होंने जो रणनीतियां बताईं कि लोग जीवन के महान लक्ष्यों को कैसे चुनें और असंभव को कैसे संभव बनाएं,इसे प्राप्त करने के लिए विकासशील रणनीतियां प्रदान कीं। हम सभी के जीवन के लिए विभिन्न लक्ष्य होते हैं।और हम अपना पूरा जीवन उन लक्ष्यों का पीछा करते हुए बिता देते हैं। आप अपने जीवन के लिए लक्ष्यों की जांच और निर्धारण करने का एक समग्र तरीका सीखेंगे। छात्रों के साथ अपने सत्रों के दौरान साझा की गई अंतर्दृष्टि और रणनीतियों की छात्रों ने बहुत सराहना की। हम जीवन में लक्ष्य क्यों निर्धारित करना चाहते हैं और फिर उन्हें प्राप्त करने के लिए काम करना चाहते हैं? क्योंकि हम आगे बढ़ना चाहते हैं। हम वर्तमान में जो हैं उससे कुछ अधिक बनना चाहते हैं। इसलिए हम एक लक्ष्य बनाते हैं और उसे प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। लेकिन अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करते समय, हम केवल एक ही दिशा में सोचते हैं। यह केवल एक कथन नहीं है, बल्कि एक जीवन-दृष्टि है: जहां सबसे बड़ी बाधाएं दिखाई देती हैं, वहां सबसे बड़ी संभावनाएं पनपती हैं।

जीवन में हर किसी को किसी न किसी मोड़ पर शून्य की स्थिति का सामना करना पड़ता है–अपनों का अभाव, असफलता का भय, परिस्थितियों की मार। लेकिन अगर वह शून्य कड़ी मेहनत, धैर्य और सकारात्मक दृष्टिकोण से भरा हो, तो उसका कोई अर्थ नहीं रह जाता–यह एक ऐसा मंच बन जाता है जहां से हम शीर्ष की ओर कदम बढ़ाते हैं। आगामी परियोजनाओं में अक्टूबर माह से पांच छात्रों को चुनने का प्रस्ताव दिया, जिन्हें वे अपने वीडियो संपादन कौशल विकसित करने के लिए चुनेंगे।

ज्ञान से विद्यार्थियों को मिलती है सफलता

प्रशिक्षण

आरा, निज प्रतिनिधि। महाराजा कॉलेज के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग ने आईक्यूएसी के सहयोग से स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला सत्र का आयोजन किया। मौके पर अतिथि कॉरपोरेट प्रशिक्षक ऋषिकेश पाठक मौजूद थे।

कॉलेज की प्राचार्य प्रो. कनकलता कुमारी ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने से विद्यार्थियों को सीखने और जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उम्मीद है कि यह परामर्श सत्र विद्यार्थियों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। अंग्रेजी विभाग की संयोजक और सहायक प्रोफेसर डॉ. वंदना सिंह ने स्वागत भाषण किया। प्रशिक्षण संवाद के दौरान ऋषिकेश पाठक ने विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्त करने के तरीके बताएं। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्र एकाग्र सकारात्मक मानसिकता के साथ सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कहा कि विद्यार्थियों को अपने कौशल का विकास करना चाहिए। प्रशिक्षण सह कार्यशाला के बाद छात्रों के साथ एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया। संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. शाहनवाज आलम ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. श्रद्धा सिंह ने किया दिया। डॉ. अरविंद, अंग्रेजी विभाग के शैलेश रंजन आदि मौजूद थे मालूम को श्री पाठक ने दुनिया के 25 देशों में 3.9 मिलियन से अधिक लोगों को प्रशिक्षित और प्रेरित किया है। उन्होंने अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और पूरे भारत में सत्र आयोजित किए हैं।

महाराजा कॉलेज में प्रशिक्षण सह कार्यशाला में मौजूद प्राचार्या प्रो कनक लता सहित अतिथि ।

महाराजा कॉलेज के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का सेमिनार

शून्य से शिखर तक पहुंचने के लिए लक्ष्य और योजना जरूरी : ऋषिकेश पाठक

एजुकेशन रिपोर्टर | आरा

ऋषिकेश पाठक।

महाराजा कॉलेज के पांच छात्र-छात्राओं का अक्टूबर से चयन

21. संबोधित करते ऋषिकेश पाठक 22. प्रशिक्षण में शामिल छात्र-छात्राएं

ज्ञान प्राप्त करने से जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद मिलेगी

कॉलेज के विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों ने भाग लिया

छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होना चाहिए

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान : प्राचार्या प्रो. कनकलता

- महाराजा कॉलेज के पीजी अंग्रेजी विभाग ने किया प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन
- छात्रों के साथ संवाद सत्र, एक्सपर्ट करेंगे छात्रों का कौशल विकसित

आरा, अंग भारत। महाराजा कॉलेज आरा के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग ने आईक्यूएसी के तत्वाधान में सोमवार को स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर के छात्रों के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला सत्र का आयोजन किया। अतिथि के रूप में प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षक और प्रेरक वक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता ऋषिकेश पाठक थे। जिन्होंने दुनिया के 25 देशों में 3.9 मिलियन से अधिक लोगों को प्रशिक्षित और प्रेरित किया है। अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और पूरे भारत में सत्र आयोजित किए हैं। इस अवसर पर महाराजा कॉलेज की प्राचार्या प्रो. कनकलता कुमारी ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने से उन्हें सीखने और जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

उम्मीद है कि यह परामर्श सत्र छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। महाराजा कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की संयोजक और सहायक प्रोफेसर डॉ. वंदना सिंह ने कहा कि सफलता शून्य से शुरू नहीं होती, यह शून्य से उत्पन्न एक मजबूत योजना और निरंतर प्रयास का परिणाम है। भय से मुक्त होना, लगातार छोटे-छोटे कदम उठाना, गिरना और फिर उठ खड़ा होना, यही शिखर तक पहुँचने का सही रास्ता है। दूसरों की सफलता से घृणा न करना, बल्कि उनसे प्रेरणा लेना ही सच्चा ज्ञान है। प्रशिक्षण कार्यशाला में विभिन्न विभागों के सभी संकाय सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी डॉ. शाहनवाज आलम और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. श्रद्धा सिंह ने किया। डॉ. अरविंद सहायक प्रोफेसर भूगोल विभाग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को अंग्रेजी विभाग के प्रमुख शैलेश रंजन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रशिक्षण सत्र में छात्र स्वयंसेवक और शोधार्थी मौजूद थे।

जहां दिखे बाधा वहां पनपती है संभावनाएं : ऋषिकेश पाठक

अपने प्रशिक्षण संवाद के दौरान श्री ऋषिकेश पाठक ने छात्रों को बताया कि कैसे एक साधारण बच्चा, जिसने अभी तक सपने देखना शुरू नहीं किया है, शून्य से शिखर तक पहुँच सकता है। उन्होंने जो रणनीतियाँ बताईं, वे इस बात से जुड़ी थीं कि लोग जीवन के महान लक्ष्यों को कैसे चुनें और असंभव को कैसे संभव बनाएँ। कहा कि जहाँ सबसे बड़ी बाधाएँ दिखाई देती हैं, वहीं सबसे बड़ी संभावनाएँ पनपती हैं। उन्होंने छात्रों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होने का प्रस्ताव दिया। जिनसे उन्हें लाभ होगा और महाराजा कॉलेज के छात्रों के लिए इन आगामी परियोजनाओं में, उन्होंने अक्टूबर माह से पाँच छात्रों को चुनने का प्रस्ताव दिया। जिन्हें वे अपने वीडियो संपादन कौशल विकसित करने के लिए चुनेंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्र एकाग्र सकारात्मक मानसिकता के साथ सफलता प्राप्त कर सकते हैं और उन्हें अपने कौशल का विकास करना चाहिए।

महाराजा कॉलेज, आरा के पीजी अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला

By sanjay srivastava

[illegible]

on
From Zero
English,
the Aegis

ONE-DAY TRAINING-CUM-WORKSHOP
on

on
Maharaja College
S24 Ultra

ONE DAY TRAINING-CUM-WORKSHOP
on
Strategies To Rise From Zero to Pinnacle
"शून्य से शिखर तक"
organised by
P.G. Department of English, Maharaja College, Ara
under the Aegis of
I.Q.A.C, Maharaja College, Ara
Date : 18-08-2025
Convenor
Dr. Vandana Singh
P.G. Department of English
Patron & Chairperson
Prof. Kanak Lata Kumari

on
Rise From
organised
College,

ONE-DAY TRAINING-CUM-WORKSHOP
on
Strategies To Rise From Zero to Pinnacle
से शिखर तक"
organised by
P.G. Departm of English, Maharaja College, Ara
der the Aegis of
Maharaja College, Ara
18-08-2025
Patron & Chairperson
Prof. Kanak Lata Kumari
Principal, Maharaja College, Ara
Dr. Vand

ONE-DAY TRAINING-CUM-WORKSHOP
Strategies To Rise From Zero to Pinnacle
S24 Ultra